25 Apr. 2024

DAILY CURRENT AFFAIRS

By

Mentorship India

SOURCES

THE HINDU | PIB | THE FINANCIAL EXPRESS | ET Economic Times.com | live mint | AIR | The Indian EXPRESS Journalism of Courage

Date: 25 Apr. 2024

Important News Articles

1. दीफू लोकसभा क्षेत्र: संविधान का अनुच्छेद 244A का निर्वाचन क्षेत्र में महत्व - इंडियन एक्सप्रेस
2. रक्षा सचिव के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल कजाकिस्तान में SCO रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेगा
3. निजी संपत्ति पुनर्वितरित करने की याचिका पर SC में सुनवाई शुरू- इंडियन एक्सप्रेस
4. मानव-वन्यजीव संघर्षों से प्रकृति को भारी नुकसान की संभावना: सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू
5. PayU को पेमेंट एग्रीगेटर के लिए RBI की सैद्धांतिक मंजूरी मिली - इंडियन एक्सप्रेस
6. RBI डेटा: REITs, InvITs ने चार वर्षों में ₹1.3 लाख करोड़ जुटाए - द हिंदू
7. इनहेरिटेंस टैक्स क्या है और कैसे काम करता है - इंडियन एक्सप्रेस
8. विश्व ऊर्जा कांग्रेस का 26वां संस्करण रॉटरडैम (नीदरलैंड) में आयोजित किया गया - पीआईबी

Editorials, Gists and Explainers

9. गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित - द हिन्दू
10. राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) - द हिंदू

Quick Look

1. बैंडेड क्रेट
2. वोयाजर 1 अंतरिक्ष यान
3. क्रिस्टल मेज़ 2
4. टीना (TINA) फैक्टर
5. मारबर्ग वायरस डिजीज (MVD):

महत्वपूर्ण समाचार लेख

सामान्य अध्ययन II

1. दीफू लोकसभा क्षेत्र: संविधान का अनुच्छेद 244A का निर्वाचन क्षेत्र में महत्व - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता : स्थानीय स्तर तक शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसमें चुनौतियाँ।

प्रीलिम्स टेकअवे
- अनुच्छेद 244(A)
- छठवीं अनुसूची

समाचार:
- **असम** के **आदिवासी-बहुल दीफू लोकसभा क्षेत्र** में, उम्मीदवारों ने एक स्वायत्त '**राज्य** के भीतर **राज्य**' बनाने के लिए संविधान के **अनुच्छेद 244 (A)** के कार्यान्वयन का वादा किया है।
- इसमें असम के **तीन आदिवासी**-बहुल पहाड़ी जिलों **कार्बी आंगलोंग, पश्चिम कार्बी आंगलोंग** और **दिमा हसाओ** में **विधान सभा क्षेत्र** शामिल हैं।
- **राज्य** और **केंद्र** में **सरकारों** का रवैया अधिक **स्वायत्तता** देने का नहीं बल्कि **शक्तियां** वापस लेने का प्रयास करने का रहा है।

अनुच्छेद 244(A):
- **अनुच्छेद 244 (A) को संविधान** (बाईसवाँ संशोधन) **अधिनियम, 1969** द्वारा शामिल किया गया था , जिसने संसद को **"असम राज्य** के भीतर **कार्बी आंगलोंग** सहित एक **स्वायत्त राज्य बनाने"** के लिए एक **अधिनियम पारित** करने में सक्षम बनाया गया है।
- इस **स्वायत्त राज्य** की अपनी **विधानमंडल** या **मंत्रिपरिषद** या दोनों होंगी।
- यह प्रावधान **छठवीं अनुसूची** के तहत **प्रावधानों** की तुलना में अधिक **स्वायत्तता** देता है, जो इन क्षेत्रों में पहले से ही लागू हैं।

छठवीं अनुसूची:
- **भारतीय संविधान** की **छठवीं अनुसूची** के उद्देश्य हैं:
  - पूर्वोत्तर राज्यों असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में **आदिवासी क्षेत्रों** के **प्रशासन** के लिए प्रावधान करना।
  - **आदिवासी भूमि** और **संसाधनों** की रक्षा करना और ऐसे **संसाधनों** को **गैर-आदिवासी व्यक्तियों** या **समुदायों** को हस्तांतरित करने पर रोक लगाना।
  - यह सुनिश्चित करना कि **जनजातीय समुदायों** का **गैर-आदिवासी आबादी** द्वारा **शोषण** या हाशिए पर न रखा जाए और उनकी **सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान** को संरक्षित और बढ़ावा दिया जाए।
- **छठवीं अनुसूची** के तहत **स्वायत्त परिषदों** ने इन **आदिवासी क्षेत्रों** के अधिक **विकेन्द्रीकृत शासन** के लिए प्रतिनिधियों को चुना है।
- उनके पास **सीमित विधायी शक्तियाँ** हैं, कानून और व्यवस्था पर उनका नियंत्रण नहीं है, और उनके पास केवल **सीमित वित्तीय शक्तियाँ** हैं।

2. रक्षा सचिव के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल कजाकिस्तान में SCO रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेगा

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच - उनकी संरचना, जनादेश।

प्रीलिम्स टेकअवे
- शंघाई सहयोग संगठन
- शंघाई फाइव

समाचार:
- **भारतीय प्रतिनिधिमंडल शंघाई सहयोग संगठन (SCO)** के **सदस्य देशों** के **रक्षा मंत्रियों** की **वार्षिक बैठक** के लिए **कजाकिस्तान** के **अस्ताना** गया है
- बैठक में **रक्षा सहयोग** पहल सहित **SCO** के भीतर **क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों** की **समीक्षा** की जाएगी।
- **भारत द्विपक्षीय रक्षा सहयोग** के मुद्दों पर चर्चा के लिए **SCO** के **मित्र देशों** के **रक्षा मंत्रियों** के साथ बैठक करेगा।

शंघाई सहयोग ऑपरेशन:

- **शंघाई सहयोग संगठन** एक ऐसा संगठन है जो यूरेशिया में **राजनीतिक, आर्थिक, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा** और रक्षा मामलों पर ध्यान केंद्रित करता है।
- भौगोलिक कवरेज और जनसंख्या के मामले में इसे सबसे बड़ा क्षेत्रीय संगठन होने का गौरव प्राप्त है।
- यह **शंघाई फाइव** के **उत्तराधिकारी** के रूप में उभरा, जिसे **वर्ष 199**6 में चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस और ताजिकिस्तान द्वारा स्थापित किया गया था।
- **उज्बेकिस्तान** के साथ ये देश **15 जून 2001** को **शंघाई** में **राजनीतिक** और **आर्थिक सहयोग** को गहरा करने के उद्देश्य से एक नए संगठन के गठन की घोषणा करने के लिए एक साथ आए।
- समय के साथ, **संगठन** ने **आठ राज्यों** को शामिल करते हुए अपनी **सदस्यता** का विस्तार किया, जिसमें **2017** में **भारत** और **पाकिस्तान** भी शामिल हो गए।

SCO का महत्व-

- **सुरक्षा पर सहयोग**
  यह **क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी संरचना (RATS)** जैसी पहलों के माध्यम से मानव तस्करी, हथियारों की तस्करी और आतंकवाद जैसे क्षेत्रीय मुद्दों को संबोधित करता है।
- **सैन्य गतिविधियाँ**
  यह आतंकवाद और बाहरी खतरों के खिलाफ **सहयोग और समन्वय** बढ़ाने के लिए **संयुक्त सैन्य अभ्यास** आयोजित करता है।
- **आर्थिक सहयोग**
  इसका उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाना है।
- **सांस्कृतिक सहयोग**
  सांस्कृतिक सहयोग और आदान-प्रदान को मजबूत करने के लिए **शंघाई सहयोग संगठन** के **संस्कृति मंत्री** नियमित रूप से मिलते हैं।

3. निजी संपत्ति पुनर्वितरित करने की याचिका पर SC में सुनवाई शुरू- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राज्य व्यवस्था में उनकी भूमिका।

प्रीलिम्स टेकअवे
- DPSP
- मौलिक अधिकार

प्रसंग:

- **सुप्रीम कोर्ट (SC**) ने एक असंबंधित मामले की सुनवाई शुरू की कि क्या सरकार **निजी स्वामित्व** वाली **संपत्तियों का अधिग्रहण** और **पुनर्वितरण** कर सकती है यदि उन्हें संविधान के **अनुच्छेद 39 (b)** में उल्लिखित "**समुदाय के भौतिक संसाधन**" के रूप में माना जाता है।

मुख्य बिंदु

- संविधान के भाग IV के अंतर्गत आने वाले शीर्षक "राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत" (DPSP) है
  - DPSP के तहत आने वाला अनुच्छेद 39 (b) राज्य पर "समुदाय के भौतिक संसाधनों के स्वामित्व और नियंत्रण को इस तरह से वितरित करने के लिए नीति बनाने का दायित्व रखता है कि वह आम लोगों की भलाई के लिए सबसे अच्छा हो।
- DPSP का उद्देश्य कानूनों के अधिनियमन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत हैं, लेकिन ये किसी भी अदालत में सीधे लागू करने योग्य नहीं हैं।

कर्नाटक राज्य बनाम श्री रंगनाथ रेड्डी

- विशेष रूप से, कर्नाटक राज्य बनाम श्री रंगनाथ रेड्डी (1977) में शीर्ष अदालत ने कई मौकों पर अनुच्छेद 39 (b) की व्याख्या पर विचार किया है ।
- इस मामले में सात न्यायाधीशों की खंडपीठ ने 4:3 के बहुमत से यह माना कि निजी स्वामित्व वाले संसाधन "समुदाय के भौतिक संसाधनों" के दायरे में नहीं आते हैं।
- हालाँकि, यह न्यायमूर्ति कृष्णा अय्यर की अल्पमत राय थी जो आने वाले वर्षों में प्रभावशाली हो जाएगी।
- मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड बनाम भारत संघ (1996) के नौ-न्यायाधीशों की खंडपीठ के मामले में न्यायमूर्ति परिपूर्णन की सहमति वाली राय में कहा गया था कि "अनुच्छेद 39 (b) में आने वाले 'भौतिक संसाधन' शब्द प्राकृतिक या भौतिक संसाधनों और चल या अचल संपत्ति को भी अपने कब्जे में ले लेंगे।"

- इसमें भौतिक जरूरतों को पूरा करने के सभी निजी और सार्वजनिक स्रोत शामिल होंगे, न कि केवल सार्वजनिक संपत्ति तक ही सीमित रहेंगे।''

अधिगृहीत संपत्तियों का विवाद

- वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष मामला मुंबई में 'सेस्ड' संपत्तियों के मालिकों द्वारा महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट एक्ट, 1976 (MHADA) में 1986 के संशोधन को चुनौती देने के बाद सामने आया है।
- MHADA को वर्ष 1976 में शहर की पुरानी, जीर्ण-शीर्ण इमारतों में असुरक्षित होने के बावजूद किरायेदारों के आवास की एक बड़ी समस्या के समाधान के लिए अधिनियमित किया गया था।
- MHADA ने इमारतों के रहने वालों पर एक उपकर लगाया, जिसका भुगतान मरम्मत और बहाली परियोजनाओं की देखरेख के लिए मुंबई बिल्डिंग मरम्मत और पुनर्निर्माण बोर्ड (MBRRB) को किया गया।
- 1986 में, अनुच्छेद 39 (b) को लागू करते हुए, भूमि और भवनों के अधिग्रहण की योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए MHADA में धारा 1A डाली गई थी।
  - ताकि उन्हें "ज़रूरतमंद व्यक्तियों" और "ऐसी भूमि या इमारतों के कब्ज़ेदारों" को हस्तांतरित किया जा सके।
- संशोधन ने कानून में अध्याय VIII-A को भी शामिल किया, जिसमें राज्य सरकार को अधिगृहीत इमारतों (और जिस भूमि पर वे बने हैं) का अधिग्रहण करने की अनुमति देने वाले प्रावधान शामिल हैं, यदि 70% रहने वाले ऐसा अनुरोध करते हैं।
- सात-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि हमें इस व्यापक दृष्टिकोण को साझा करने में कुछ कठिनाई है कि अनुच्छेद 39 (b) के तहत समुदाय के भौतिक संसाधन निजी स्वामित्व वाली चीज़ों को कवर करते हैं।
  - और MHADA के अध्याय VIII-A की चुनौती को नौ-न्यायाधीशों की पीठ के पास भेज दिया जो अब मामले की सुनवाई कर रही है।
- हालाँकि, अदालत ने माना कि DPSP को आगे बढ़ाने में बनाए गए कानूनों को इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती है -
  - उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 31C ("कुछ निर्देशक सिद्धांतों को प्रभावी करने वाले कानूनों की बचत") के अनुसार समानता के अधिकार का उल्लंघन किया है।

सामान्य अध्ययन III

4. मानव-वन्यजीव संघर्षों से प्रकृति को भारी नुकसान की संभावना: सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू

प्रासंगिकता: पर्यावरण संरक्षण, मानव-वन्यजीव संघर्ष

प्रीलिम्स टेकअवे

- पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य
- मानव वन्यजीव संघर्ष

समाचार:

- **सुप्रीम कोर्ट** ने **पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य** की **सीमाओं** के सीमांकन से संबंधित एक मामले की सुनवाई करते हुए चेतावनी दी कि **मानव-वन्यजीव संघर्ष जंगलों** और **वन्यजीवों** के अस्तित्व के लिए खतरा है।

मुख्य बिंदु

- **सुप्रीम कोर्ट** ने कहा, **जंगल को संरक्षित** करने के लिए **मानव और वन्यजीवों** के **अधिकारों** के बीच संतुलन होना जरूरी है।
- **असम** के **पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य** की **सीमाओं** के **सीमांकन** और **अभयारण्य** के भीतर रहने वाले **ग्रामीणों के अधिकारों** के निपटान से संबंधित एक मामले की सुनवाई के दौरान ये टिप्पणियां सामने आईं है।
- पीठ ने कहा कि **अभयारण्य** के संबंध में **राज्य के प्रस्तावों** को **राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड** द्वारा मंजूरी दी जाएगी और **सुप्रीम कोर्ट** की जांच से भी गुजरना होगा।
  - अदालत ने **राज्यों** को आदेश दिया कि मुख्य **वन्यजीव वार्डन** और **पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य** के **फील्ड निदेशक** को **वन्यजीवों** की चिंताओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए विशेष समिति का सदस्य बनाया जाए।
- अदालत ने अपने आदेश में कहा कि "मानचित्र के प्रथम दृष्टया अवलोकन से, ऐसा प्रतीत होता है कि **राज्य वन्यजीव अभयारण्य** के छोटे क्षेत्रों को हटाने और एक बड़े क्षेत्र को शामिल करने का प्रस्ताव करता है ताकि बसने वालों की भूमि और गैंडों की बढ़ती आबादी के मुद्दे को भी ध्यान में रखा जा सके।

- पिछले महीने **सुप्रीम कोर्ट** ने **पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य** को **डिनोटिफाई** करने के **असम सरकार** के फैसले पर भी रोक लगा दी थी।

मानव-वन्यजीव संघर्ष के प्रभाव:

- **मनुष्यों** को **वित्तीय नुकसान** के साथ-साथ **स्वास्थ्य और सुरक्षा, आजीविका, खाद्य सुरक्षा** और **संपत्ति** को भी खतरा होता है।
- **सड़क और रेलवे** आधारभूत संरचना में वृद्धि से **जानवरों** की **आकस्मिक मृत्यु** की संभावना बढ़ जाती है।
- **आवास की हानि** और **जानवरों** का **विस्थापन** जिसके कारण **जैव विविधता** की हानि या विलुप्ति होती है।

5. PayU को पेमेंट एग्रीगेटर के लिए RBI की सैद्धांतिक मंजूरी मिली - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
• UPI
• RBI

समाचार:

- **फिनटेक** फर्म **PayU** को **पेमेंट एग्रीगेटर** के रूप में काम करने के लिए **रिजर्व बैंक** से **सैद्धांतिक मंजूरी** मिल गई है।
- **सैद्धांतिक** मंजूरी के साथ, **PayU** अब नए **व्यापारियों** को **डिजिटल भुगतान** सेवाएं प्रदान करने के लिए अपने साथ जोड़ सकता है।

पेमेंट एग्रीगेटर

- ऑनलाइन **पेमेंट एग्रीगेटर** ऐसी कंपनियां हैं जो **ग्राहक और व्यापारी** के बीच **मध्यस्थ** के रूप में कार्य करके **ऑनलाइन** भुगतान की सुविधा प्रदान करती हैं।
- **RBI** ने **मार्च 2020** में **PA** और **पेमेंट गेटवे** को **विनियमित** करने के लिए **दिशानिर्देश** पेश किए।
- ये आम तौर पर **ग्राहकों** को **क्रेडिट और डेबिट कार्ड, बैंक हस्तांतरण** और **ई-वॉलेट** सहित कई प्रकार के भुगतान विकल्प प्रदान करते हैं।
- **पेमेंट एग्रीगेटर भुगतान** जानकारी एकत्र और संसाधित करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि लेनदेन **सुरक्षित** और **विश्वसनीय** हैं।
- **पेमेंट एग्रीगेटर** का उपयोग करके, व्यवसाय अपने स्वयं के **भुगतान प्रसंस्करण सिस्टम** को स्थापित करने और प्रबंधित करने की आवश्यकता से बच सकते हैं
  - जो जटिल और महंगा हो सकता है.
- **पेमेंट एग्रीगेटर्स** के कुछ उदाहरणों में **पेपाल, स्ट्राइप, स्क्वायर** और **अमेज़ॅन पे** शामिल हैं।

6. RBI डेटा: REITs, InvITs ने चार वर्षों में ₹1.3 लाख करोड़ जुटाए - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
• REIT एवं INVIT
• SEBI

समाचार:

- **रियल्टी** और **आधारभूत संरचना** क्षेत्र **REITs** और **InvITs** के निवेश वाहनों ने पिछले **चार वर्षों** में **₹1.3 लाख** करोड़ जुटाए हैं।
- **RBI बुलेटिन** में **केंद्रीय बैंक** ने कहा कि उनसे अधिक **एकत्रित धन** की सुविधा की उम्मीद है।

मुख्य बिंदु:

- **REIT और InvIT** विशेष रूप से **उच्च निवल मूल्य** वाले **व्यक्तियों** के लिए **वैकल्पिक निवेश साधन** के रूप में उभर रहे हैं।
- **RBI ने 'स्टेट ऑफ इकोनॉमी'** में लिखा है की , "भारत रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (REIT) और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (InvIT) को देर से अपनाने वाला देश रहा है।"

इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट(IIT):

- **InvITs म्यूचुअल फंड** के समान एक निवेश योजना है, जो **व्यक्तिगत** और **संस्थागत निवेशकों** से **इंफ्रास्ट्रक्चर** की **परियोजनाओं** में धन के सीधे निवेश को आय का एक **छोटा हिस्सा रिटर्न** के रूप में अर्जित करने में सक्षम बनाती है।
- **इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO)** के माध्यम से **स्टॉक** की तरह ही **InvIT** को **एक्सचेंजों** पर सूचीबद्ध किया जाता है ।

- भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI) द्वारा विनियमित।

रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट:

- **निवेश योग्य निधियों** को **आय-उत्पादक अचल संपत्ति** के **संचालन**, **स्वामित्व या वित्तपोषण** में लगाने के लिए बनाई गई इकाई है।
- **REIT** को **म्यूचुअल फंड** की तर्ज पर तैयार किया गया है और यह **निवेशकों** को **रियल एस्टेट** में हिस्सेदारी पाने के लिए बेहद तरल तरीका प्रदान करता है।

REIT और INVIT सूचकांक:

- **नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया** की सहायक कंपनी **नेशनल स्टॉक एक्सचेंज इंडेक्स लिमिटेड** द्वारा लॉन्च किया गया है।
- सूचकांक का लक्ष्य **Reits** और **InvIT** के **प्रदर्शन** को **ट्रैक** करना है जो **NSE** पर **सार्वजनिक** रूप से सूचीबद्ध और कारोबार किए जाते हैं।
- **सूचकांक** के भीतर **प्रतिभूतियों** का भार उनके **फ्री-फ्लोट बाजार पूंजीकरण** पर आधारित होता है।

SEBI

- **भारतीय प्रतिभूति** और **विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992** के प्रावधानों के अनुसार स्थापित किया गया।
- समारोह:
  - प्रतिभूतियों में निवेशकों के हितों की रक्षा करना।
  - प्रतिभूति बाजार को विनियमित करना।

7. इनहेरिटेंस टैक्स क्या है और कैसे काम करता है - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता : समावेशी विकास और उससे उत्पन्न मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
• एस्टेट ड्यूटी
• आय असमानता

समाचार:

- **आय असमानता** को दूर करने के लिए **धन के पुनर्वितरण** के लिए एक **उपकरण** के रूप में **इनहेरिटेंस टैक्स** के **उपयोग** पर **व्यापक** रूप से **चर्चा** की गई है। पिछले कुछ वर्षों में, **भारत** ने **एस्टेट ड्यूटी, संपत्ति टैक्स** को समाप्त कर दिया है।

मुख्य बिंदु:

- **आय असमानता** को दूर करने के लिए **धन के पुनर्वितरण** के एक **उपकरण** के रूप में **इनहेरिटेंस टैक्स** के उपयोग पर व्यापक रूप से चर्चा की गई है।
- **विश्व स्तर** पर अधिक **न्यायसंगत समाज** बनाने के लिए **अरबपतियों** पर टैक्स लगाने की मांग जोर-शोर से बढ़ रही है।
- अमेरिका **100 मिलियन डॉलर** से **अधिक संपत्ति** वाले **करदाताओं** पर **न्यूनतम 25% टैक्स** लगाएगा।
- **फ्रांस और ब्राज़ील** ने **अत्यधिक अमीरों** पर **टैक्स** लगाने के लिए **G20 घोषणा** पर ज़ोर दिया है।

आय असमानता

- **ऑक्सफैम** द्वारा किए गए एक **सर्वेक्षण** के अनुसार, **भारत** की **कुल संपत्ति** का **58 प्रतिशत हिस्सा** इसकी एक **प्रतिशत आबादी** के भीतर केंद्रित है।
- यह **वैश्विक औसत** लगभग **50 प्रतिशत** से अधिक है ।
- इस **असमानता** को दूर करने के लिए, क्योंकि **भारत** एक **कल्याणकारी राज्य** है, और निचले तबके के लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए **संवैधानिक** रूप से बाध्य है।

एस्टेट ड्यूटी:

- **भारत** में एक समय **विरासत** (या मृत्यु) कर था।
- **टैक्स** , जिसे **एस्टेट ड्यूटी** के रूप में जाना जाता था, **वर्ष 1953** में पेश किया गया था और **वर्ष 1985** में समाप्त कर दिया गया था।
- यह आर्थिक असमानता को कम करने का एक प्रयास था।
- आज, **अमेरिका**, **ब्रिटेन**, **फ्रांस**, **जापान** और **नीदरलैंड** जैसे कई **विकसित देशों** में **इनहेरिटेंस टैक्स कानून** लागू हैं।
- **इनहेरिटेंस टैक्स** की वसूली मुख्य रूप से **उद्यमशील मानव पूंजी** और **विदेश** जाने वाले **वित्तीय संसाधनों के बहिर्वाह** के बारे में आशंकाओं के इर्द-गिर्द है।

धन और गिफ्ट टैक्स

- **संपत्ति टैक्स** किसी **व्यक्ति** की पर लगाया जाता है में, **संपत्ति टैक्स अधिनियम 1957** में पेश किया गया था और **वर्ष 2015** में निरस्त कर दिया गया था।
- यह मूल रूप से उस वर्ग के लिए है जो एक **निश्चित सीमा (30 लाख)** से अधिक अमीर है और **सीमा** से अधिक राशि पर **संपत्ति टैक्स (1%)** के लिए पात्र है।
- इसी तरह, एक **वित्तीय वर्ष** में **50,000 रुपये** से अधिक प्राप्त उपहारों पर **गिफ्ट टैक्स** लगाया जाता है, जिसे अन्य स्रोतों से आपकी **आय** में जोड़ा जाएगा और आपके **स्लैब** के अनुसार टैक्स लगाया जाएगा।

8. विश्व ऊर्जा कांग्रेस का 26वां संस्करण रॉटरडैम (नीदरलैंड) में आयोजित किया गया - पीआईबी

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच - उनकी संरचना, जनादेश।

प्रीलिम्स टेकअवे

- विश्व ऊर्जा परिषद
- 26वीं विश्व ऊर्जा कांग्रेस
- COP28

समाचार :

- **नीदरलैंड** के **रॉटरडैम** में चल रहे **विश्व ऊर्जा कांग्रेस** के **26वें संस्करण** में **24 अप्रैल, 2024** को **मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन** आयोजित किया गया था।
- सम्मेलन में **COP28 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन** सम्मेलन की सकारात्मकताओं पर चर्चा की गई।

मुख्य बिंदु

- **गोलमेज सम्मेलन** में **ऊर्जा नवाचार और सहयोग** , और उभरती ऊर्जा **त्रिलम्मा व्यापार-बंद** के **प्रबंधन** में निहितार्थ पर भी चर्चा हुई।
- सम्मेलन के दौरान, **केंद्रीय ऊर्जा सचिव** ने **वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन** में **नीति उत्प्रेरक** के रूप में इसके महत्व पर जोर देते हुए, **COP28** में **भारत** की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।
  - उन्होंने **COP28 प्रतिबद्धताओं** के प्रति **अभिसरण** के निर्माण के लिए **भारत के प्रयासों** के प्रमाण के रूप में **G20** नई दिल्ली नेताओं की **घोषणा** पर भी प्रकाश डाला।
  - की **कार्बन कैप्चर**, **उपयोग** और **भंडारण** (**CCUS**) और हरित हाइड्रोजन पर जोर देने के साथ **कार्बन तटस्थता** की ओर संक्रमण **कीCOP28** मान्यता।
  - संशोधित **भारत ऊर्जा सुरक्षा परिदृश्य (IESS)** 2047 **डैशबोर्ड** जैसे उपकरणों के साथ **प्रौद्योगिकी परिनियोजन** और **सहयोग** की भूमिका, **सूचित निर्णय** लेने में सहायता करती है।
  - **पर्यावरणीय स्थिरता** और **रोजगार सृजन** को बढ़ावा देने वाली **पीएम-कुसुम योजना** और **सौर** छत कार्यक्रमों जैसी पहलों के साथ **ऊर्जा सुरक्षा, पहुंच और स्थिरता** को संतुलित करना।

26वीं विश्व ऊर्जा कांग्रेस:

- **थीम** : लोगों और ग्रह के लिए ऊर्जा को नया स्वरूप देना',
- यह सभा **विश्व ऊर्जा** में **विश्व ऊर्जा परिषद की शताब्दी** का प्रतीक है ।
- परिषद के अनुसार, **कांग्रेस विश्व संदर्भ** में **वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन** को आगे बढ़ाने में **कनेक्टेड ऊर्जा समाजों** की **भूमिका** का पता लगाना चाहती है जो कम पूर्वानुमानित, अधिक अशांत और तेजी से बदलाव वाला है।

विश्व ऊर्जा परिषद भारत:

- विश्व ऊर्जा परिषद **भारत विश्व ऊर्जा परिषद (WEC)** का एक **सदस्य** देश है
- यह ऊर्जा की **सतत आपूर्ति** और उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **वर्ष 1923** में स्थापित एक **वैश्विक** निकाय है।
- WEC **भारत विश्व ऊर्जा परिषद** के शुरुआती सदस्यों में से एक है, यह **वर्ष 1924** में **परिषद** में शामिल हुआ था।
- **WEC** इंडिया **भारत सरकार** के **विद्युत मंत्रालय के संरक्षण** में और **कोयला, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा,** पेट्रोलियम एवं **प्राकृतिक गैस** और **विदेश मंत्रालय** के सहयोग से कार्य करता है।

एडिटोरियल, जिस्ट, एक्सप्लेनेर

9. गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित - द हिन्दू

प्रासंगिकता: जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएं।

समाचार:

- **कांग्रेस पार्टी** द्वारा खड़े किए गए **उम्मीदवार** द्वारा दाखिल किए गए **नामांकन पत्र** को अस्वीकार कर दिए जाने के कारण, **गुजरात** में **सूरत लोकसभा क्षेत्र** से **भाजपा** के **उम्मीदवार** को **निर्विरोध निर्वाचित** घोषित कर दिया गया है।

मुख्य बिंदु

- **कांग्रेस पार्टी** के **उम्मीदवार** ने **नामांकन पत्र** के **तीन सेट** दाखिल किये थे
  - **RO** को **प्रस्तावकों** से **शपथ पत्र** भी मिले जिसमें दावा किया गया कि **उन्होंने उम्मीदवार** के **नामांकन पत्र** पर **हस्ताक्षर** नहीं किए हैं।
- **आपत्तियों** पर **RO** ने **प्रत्याशी** से **एक दिन** के अंदर **स्पष्टीकरण** मांगा है।
  - चूंकि **प्रस्तावकों** को जांच के लिए **निर्धारित समय** के भीतर **RO** के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया जा सका, इसलिए **नामांकन पत्रों** के सभी **तीन सेट** खारिज कर दिए गए।
- चुनाव नियम किसी **राजनीतिक दल** द्वारा एक **स्थानापन्न उम्मीदवार** को मैदान में उतारने की अनुमति देते हैं। यदि **मूल उम्मीदवार** का **नामांकन खारिज** हो जाता है तो इस **स्थानापन्न उम्मीदवार** का **नामांकन स्वीकार** किया जाएगा।
  - हालाँकि, **स्थानापन्न उम्मीदवार का नामांकन पत्र** भी इसी कारण से खारिज कर दिया गया था।
- हालाँकि, यह संभावना नहीं है कि **चुनाव आयोग** इस अनुरोध पर कार्रवाई करेगा क्योंकि **RP अधिनियम** के साथ पढ़े जाने वाले संविधान के **अनुच्छेद 329 (b)** में प्रावधान है कि संबंधित **उच्च न्यायालय** के समक्ष **चुनाव याचिका** को **छोड़कर** किसी भी **चुनाव** पर सवाल नहीं उठाया जाएगा।
- **RP अधिनियम** में प्रावधान है कि **उच्च न्यायालय** ऐसे मुकदमों को **छह महीने** के भीतर समाप्त करने का प्रयास करेंगे , जिसका अतीत में ज्यादातर पालन नहीं किया गया है।

नामांकन के लिए कानून: RPA, 1951

- **लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951** (RP अधिनियम) की **धारा 33** में **वैध नामांकन** की आवश्यकताएं शामिल हैं।
- **RP अधिनियम** के अनुसार, **25 वर्ष से अधिक आयु का मतदाता** भारत के किसी भी **निर्वाचन क्षेत्र** से **लोकसभा चुनाव** लड़ सकता है।
  - हालाँकि, **उम्मीदवार** का **प्रस्तावक** उस **संबंधित निर्वाचन क्षेत्र** से **निर्वाचक** होना चाहिए जहां नामांकन दाखिल किया जा रहा है।
  - किसी मान्यता प्राप्त दल (राष्ट्रीय या राज्य) के मामले में, **उम्मीदवार** के पास एक **प्रस्तावक** होना आवश्यक है।
  - **गैर-मान्यता प्राप्त दलों** और **निर्दलीय उम्मीदवारों** द्वारा खड़े किए गए **उम्मीदवारों** के लिए दस प्रस्तावकों की सदस्यता आवश्यक है।
  - एक उम्मीदवार प्रस्तावकों के **अलग-अलग सेट** के साथ **अधिकतम चार नामांकन** पत्र दाखिल कर सकता है, इससे किसी **उम्मीदवार** का **नामांकन स्वीकार** किया जा सकेगा, भले ही नामांकन पत्र का एक सेट क्रम में हो।
- **RP अधिनियम की धारा 36** रिटर्निंग ऑफिसर (RO) द्वारा **नामांकन पत्रों** की **जांच के संबंध** में कानून निर्धारित करती है।
- इसमें यह प्रावधान है कि **RO** किसी ऐसे दोष के लिए किसी भी **नामांकन को अस्वीकार** नहीं करेगा जो पर्याप्त प्रकृति का नहीं है।
  - यह निर्दिष्ट करता है कि **उम्मीदवार** या **प्रस्तावक** के **हस्ताक्षर वास्तविक** नहीं पाए जाने पर अस्वीकृति का आधार है।

10. राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) - द हिंदू

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

प्रसंग:

- जब **भारत सरकार** ने **वर्ष 2019** में **राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP)** शुरू किया, तो उसे **वर्ष 2017** के स्तर से **वर्ष 2024** तक **वायुमंडलीय पार्टिकुलेट मैटर (PM)** की एकाग्रता में **20-30%** की कटौती करनी थी।
- इसे बाद में **वर्ष 2026** तक संशोधित कर **40%** कर दिया गया।

मुख्य बिंदु	NCAP की फंडिंग और प्रोग्रेस:
• वायु प्रदूषण से लड़ने के लिए NCAP की योजना वर्ष 2019 में शुरू की गई, NCAP शहर-विशिष्ट योजनाओं के माध्यम से स्वच्छ हवा का लक्ष्य रखता है। • लगातार उच्च प्रदूषण स्तर वाले शहरों को ये योजनाएँ बनानी और क्रियान्वित करनी चाहिए। **NCAP के लक्ष्य:** • सख्त नियंत्रण के माध्यम से वायु प्रदूषण को कम करें • संपूर्ण भारत में वायु गुणवत्ता निगरानी में सुधार लाना • वायु प्रदूषण के बारे में जनता में जागरूकता फैलाना	• कार्यक्रम के लिए 10,000 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए गए हैं। • वायु गुणवत्ता सूचना केंद्र और पूर्वानुमान प्रणाली स्थापित करने में देरी हुई है। • आवंटित धनराशि का केवल एक हिस्सा ही अब तक उपयोग किया गया है। • हालांकि निरंतर वायु निगरानी स्टेशनों पर अच्छी प्रगति हुई है, नियमित निगरानी नेटवर्क का विस्तार पिछड़ रहा है। **NCAP के सामने चुनौतियाँ:** • राज्यों ने योजनाओं को लगातार क्रियान्वित नहीं किया है। • अस्पष्ट प्रक्रियाओं और समय-सीमा की कमी के कारण विलंब। • अन्य बाधाओं में नौकरशाही और कुछ उपायों की प्रभावशीलता पर संदेह शामिल हैं।

NCAP के लिए आगे की राह:

- प्रदूषण स्रोतों को इंगित करने के लिए अध्ययन महत्वपूर्ण हैं।
- वायु गुणवत्ता मॉडलिंग से दूर के स्रोतों से प्रदूषण के प्रभाव को समझने में मदद मिल सकती है।
- इसका धरातल पर तेजी से कार्यान्वयन जरूरी है।
- कुल मिलाकर, स्वच्छ हवा प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण लेकिन आवश्यक होगा।
- NCAP की सफलता मजबूत विज्ञान, धन के स्मार्ट उपयोग और प्रभावी निष्पादन पर निर्भर करती है।

Mentorship India

फैक्ट फटाफट

1. बैंडेड क्रेट

- यह एलैपिड सांपों की बड़ी प्रजाति है
- एलैपिड सांप- सांपों का परिवार जो मुंह के सामने अपने स्थायी रूप से उभरे हुए नुकीले दांतों से पहचाना जाता है
- इसमें उच्च न्यूरोटॉक्सिक विष है
- IUCN स्थिति- कम से कम चिंता का विषय
- विश्व के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है, भारत में पाया जाता है

2. वोयाजर 1 अंतरिक्ष यान

- यह नासा द्वारा बाहरी सौर मंडल और उससे आगे का अध्ययन करने के लिए अपने ट्विन वोयाजर 2 के लगभग दो सप्ताह बाद 5 सितंबर, 1977 को लॉन्च किया गया एक अंतरिक्ष यान है।
- इसके मिशन में बृहस्पति और शनि की उड़ान को शामिल किया गया है, जिसका लक्ष्य उनके चंद्रमाओं, छल्लों और चुंबकीय क्षेत्रों का अध्ययन करना है।
- यह वर्तमान में पृथ्वी से सबसे दूर मानव निर्मित वस्तु है।
- यह हेलियोस्फीयर को पार करने वाला पहला अंतरिक्ष यान था, वह सीमा जहां हमारे सौर मंडल के बाहर के प्रभाव हमारे सूर्य से अधिक मजबूत होते हैं।
- इसने बृहस्पति के चारों ओर एक पतली रिंग और दो नए जोवियन चंद्रमाओं थेबे और मेटिस की खोज की है ।
- शनि पर, वोयाजर 1 को पांच नए चंद्रमा और एक नया वलय मिला, जिसे जी-रिंग कहा जाता है।
- वॉयेजर 1 के पास एक स्वर्णिम रिकॉर्ड है जिसमें पृथ्वी पर जीवन और संस्कृति की विविधता को चित्रित करने के लिए चुनी गई ध्वनियाँ और चित्र शामिल हैं, इस घटना में कि यह कभी भी अलौकिक जीवन का सामना करता है।

3. क्रिस्टल मेज़ 2

- इसे ROCKS के रूप में भी जाना जाता है, यह एक हवा से प्रक्षेपित मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है।
- यह इजरायली मूल का है।
- इसे संभावित विरोधियों की उच्च-मूल्य वाली स्थिर और स्थानांतरित करने योग्य संपत्तियों, जैसे लंबी दूरी के रडार और वायु रक्षा प्रणालियों को लक्षित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- अपने पूर्ववर्ती क्रिस्टल मेज़ 1 से अलग, जिसे पहले इज़राइल से भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया है, क्रिस्टल मेज़ 2 हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल के रूप में विस्तारित स्टैंड-ऑफ रेंज क्षमताओं का दावा करती है।
- यह 250 किलोमीटर से अधिक दूरी तक लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। भेदन या विस्फोट विखंडन वारहेड के विकल्पों के साथ, यह मिसाइल जमीन के ऊपर या अच्छी तरह से संरक्षित भूमिगत लक्ष्यों को नष्ट करने में सक्षम है।
- यह GPS-अस्वीकृत वातावरण में विशेष रूप से प्रभावी है।

4. टीना (TINA) फैक्टर

- इसका अर्थ है कोई विकल्प नहीं है, यह उस स्थिति को संदर्भित करता है जहां निवेशक मौजूदा बाजार स्थितियों को देखते हुए किसी विशेष परिसंपत्ति वर्ग या निवेश को सर्वोत्तम विकल्प के रूप में देखते हैं।
- यह धारणा तब उत्पन्न होती है जब कम रिटर्न, उच्च अस्थिरता या आर्थिक अनिश्चितता जैसे कारकों के कारण अन्य निवेश विकल्प अनाकर्षक समझे जाते हैं।
- मूलतः, भविष्य में संभावित अनिश्चितताओं से भयभीत लोग सबसे सुरक्षित निवेश साधन में निवेश करने पर विचार करते हैं।
- यानी, उचित विकल्पों की कमी के कारण कीमतें अवास्तविक ऊंचाई तक बढ़ जाती हैं।

- टीना (TINA) ऐतिहासिक रूप से कुछ आर्थिक स्थितियों की प्रतिक्रिया रही है जहां आम तौर पर सुरक्षित माने जाने वाले निवेश कम अनुकूल हो गए हैं।

5. मारबर्ग वायरस डिजीज (MVD)

- यह एक दुर्लभ लेकिन गंभीर रक्तस्रावी बुखार है जो लोगों और गैर-मानव प्राइमेट्स दोनों को प्रभावित करता है।
- यह मारबर्ग वायरस के कारण होता है, जो फ़िलोवायरस परिवार का आनुवंशिक रूप से अद्वितीय ज़ूनोटिक (या, पशु-जनित) RNA वायरस है।
- यह उसी परिवार का वायरस है जो इबोला वायरस का कारण बनता है
- MVD के साथ मानव संक्रमण शुरू में रूसेटस चमगादड़ों द्वारा बसाई गई खानों या गुफाओं में लंबे समय तक रहने के परिणामस्वरूप होता है।
- एक बार जब कोई व्यक्ति वायरस से संक्रमित हो जाता है, तो मारबर्ग मानव-से-मानव संचरण के माध्यम से फैल सकता है
  - संक्रमित लोगों के रक्त, स्राव, अंगों या अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के सीधे संपर्क के माध्यम से (टूटी हुई त्वचा या श्लेष्मा झिल्ली के माध्यम से)फैल सकता है
  - इन तरल पदार्थों से दूषित सतहों और सामग्रियों (जैसे, बिस्तर, कपड़े) के साथ फैल सकता है

प्रीलिम्स ट्रैक

Q1. छठवीं अनुसूची के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह संविधान सभा द्वारा गठित बोर्डोलोई समिति पर आधारित था।
2. यह विशेष प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 244(2) और अनुच्छेद 275(1) के तहत प्रदान किया गया है।
3. यह आदिवासियों को विधायी और कार्यकारी शक्तियों का प्रयोग करने की स्वतंत्रता देता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q2. शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

कथन 1: शंघाई सहयोग संगठन (SCO) एक महत्वपूर्ण मध्य एशियाई संगठन है।

कथन 2: उज़्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान संगठन के पूर्णकालिक सदस्य हैं।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

Q3. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

कथन I: भारतीय संविधान के अनुच्छेद 31C में कहा गया है कि अनुच्छेद 39 (B) और (सी) के भाग IV (DPSP) के निदेशक सिद्धांतों को लागू करने के लिए राज्य द्वारा बनाए गए कानूनों को अनुच्छेद 14 के उल्लंघन के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती है।

कथन II: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 31बी नौवीं अनुसूची में अधिनियमों और विनियमों को चुनौती दिए जाने और अमान्य होने से बचाता है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

Q4. पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह असम में ब्रह्मपुत्र के उत्तरी तट पर स्थित है।
2. यह विश्व स्तर पर एक सींग वाले गैंडे की सबसे अधिक संख्या के लिए जाना जाता है।
3. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के परिदृश्य और जीव-जंतुओं के संबंध में समानता के कारण इसे अक्सर 'मिनी काजीरंगा' कहा जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q5. भारत में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. UPI भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा विनियमित एक वास्तविक समय अंतर-बैंक लेनदेन प्रणाली है।
2. UPI के लिए उपयोगकर्ताओं को लेनदेन के दौरान व्यापारी के साथ अपने बैंक खाते का विवरण साझा करना आवश्यक है।
3. UPI लेनदेन केवल छोटे मूल्य के भुगतान तक ही सीमित हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q6. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

कथन-I: InvITs को 'SARFAESI अधिनियम, 2002' के तहत उधारकर्ताओं के रूप में मान्यता दी गई है।

कथन-II: इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (InvITs) से ब्याज आय को टैक्स से छूट दी गई है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

Q7. गिफ्ट टैक्स के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. गिफ्ट टैक्स 1953 के गिफ्ट टैक्स अधिनियम द्वारा अधिनियमित किया गया था।
2. 50000 से अधिक के गिफ्ट, गिफ्ट टैक्सर के अधीन हैं।
3. यदि गिफ्ट किसी रिश्तेदार द्वारा दिया गया हो तो उसे टैक्स से छूट मिलती है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q8. विश्व ऊर्जा परिषद (WEC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. विश्व ऊर्जा परिषद ऊर्जा की सतत आपूर्ति और उपयोग को बढ़ावा देने के लिए 1933 में स्थापित एक निकाय है।
2. भारत विश्व ऊर्जा परिषद के शुरुआती देशों में से एक है
3. WEC इंडिया शहरी मामलों के मंत्रालय के संरक्षण में कार्य करता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q9. जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (1951) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. अधिनियम के अनुसार, 21 वर्ष से अधिक आयु का मतदाता भारत के किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ सकता है।
2. किसी मान्यता प्राप्त दल (राष्ट्रीय या राज्य) के मामले में उम्मीदवार के पास दो प्रस्तावक होने चाहिए।
3. गैर-मान्यता प्राप्त दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा खड़े किए गए उम्मीदवारों के लिए 5 प्रस्तावकों की सदस्यता आवश्यक है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q10. राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (NAAQS) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

कथन I : NAAQ वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत CPCB द्वारा अधिसूचित विभिन्न पहचाने गए प्रदूषकों के संदर्भ में परिवेशी वायु गुणवत्ता के मानक हैं।

कथन II: NAAQS के तहत प्रदूषकों की सूची: PM10, PM2.5, SO2, NO2, CO, NH3, ओजोन, H2O (g), बेंजीन,

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

प्रीलिम्स ट्रैक उत्तर

उत्तर : 1 विकल्प C सही है

व्याख्या:

- संविधान की छठवीं अनुसूची आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में आदिवासी क्षेत्रों के प्रशासन का प्रावधान करती है।
- इन राज्यों में जनसंख्या यह विशेष प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 244(2) और अनुच्छेद 275(1) के तहत प्रदान किया गया है। **अतः कथन 2 सही है।**
- 1949 में संविधान सभा द्वारा पारित छठवीं अनुसूची को उत्तर-पूर्व के जनजातीय क्षेत्रों को सीमित स्वायत्तता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया था।
- संविधान सभा द्वारा गठित बारदोलोई समिति की रिपोर्ट पर आधारित था । **अतः कथन 1 सही है।**
- यह आदिवासियों को एक स्वायत्त क्षेत्रीय परिषद और स्वायत्त जिला परिषदों (ADC) के माध्यम से विधायी और कार्यकारी शक्तियों का प्रयोग करने की स्वतंत्रता देता है। **अतः कथन 3 सही है।**

उत्तर : 2 विकल्प C सही है

व्याख्या:

- शंघाई सहयोग संगठन (SCO) एक यूरेशियन राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संगठन है, जिसके निर्माण की घोषणा 15 जून 2001 को चीन के शंघाई में चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के नेताओं द्वारा की गई थी। **अतः कथन 1 सही है।**
- उज्बेकिस्तान को छोड़कर ये देश शंघाई फाइव समूह के सदस्य थे, जिसकी स्थापना 26 अप्रैल 1996 को शंघाई में हुई थी। तुर्कमेनिस्तान सदस्य नहीं है. **इसलिए कथन 2 गलत है।**
- भारत और पाकिस्तान 9 जून 2017 को कजाकिस्तान के अस्ताना में एक शिखर सम्मेलन में SCO में पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल हुए है

उत्तर : 3 विकल्प B सही है

व्याख्या

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 31सी में कहा गया है कि अनुच्छेद 39 (B) और (C) के भाग IV (DPSPs) के निदेशक सिद्धांतों को लागू करने के लिए राज्य द्वारा बनाए गए कानूनों को अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) या उल्लंघन के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती है। अनुच्छेद 19 इसे 1971 में 25वें संवैधानिक संशोधन के भाग के रूप में संविधान में जोड़ा गया था
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 31B नौवीं अनुसूची में अधिनियमों और विनियमों को चुनौती दिए जाने और अमान्य होने से बचाता है। नौवीं अनुसूची में केंद्रीय और राज्य कानूनों की एक सूची है जिन्हें अदालतों में चुनौती नहीं दी जा सकती है।। **अतः, दोनों कथन सही हैं**

उत्तर : 4 विकल्प B सही है

व्याख्या:

- पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य असम के मोरीगांव जिले में ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी तट पर एक वन्यजीव अभयारण्य है। **कथन 1 गलत है.**
- 2022 में आखिरी जनगणना के बाद पोबितोरा की गैंडों की आबादी 107 आंकी गई थी। अभयारण्य में पृथ्वी पर एक सींग वाले गैंडों की संख्या सबसे अधिक है। **कथन 2 सही है.**
- परिदृश्य, वनस्पति और जीव वितरण की समानता के कारण इसे अक्सर 'मिनी काजीरंगा' कहा जाता है। **कथन 3 सही है.**

उत्तर : 5 विकल्प A सही है

व्याख्या

- UPI RBI द्वारा विनियमित नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) द्वारा विकसित एक वास्तविक समय अंतर-बैंक लेनदेन प्रणाली है। यह बैंक खातों के बीच तत्काल फंड ट्रांसफर की सुविधा देता है। **अतः, कथन 1 सही है**
- UPI दो-कारक प्रमाणीकरण प्रणाली पर कार्य करता है। उपयोगकर्ताओं को व्यापारी के साथ अपने बैंक खाते का विवरण साझा करने की आवश्यकता नहीं है। इसके बजाय, एक अद्वितीय भुगतान पता (उपनाम के समान) का उपयोग किया जाता है। **इसलिए, कथन 2 गलत है**
- UPI लेनदेन छोटे मूल्य के भुगतान तक सीमित नहीं हैं। हालाँकि बैंकों द्वारा व्यक्तिगत लेनदेन सीमाएँ निर्धारित की जा सकती हैं, UPI लेनदेन की एक विस्तृत श्रृंखला को संभाल सकता है। **इसलिए, कथन 3 गलत है**

उत्तर : 6 विकल्प C सही है

व्याख्या:

- ब्याज और लाभांश दोनों पर इनकम टैक्स स्लैब के अनुसार InvIT से टैक्स लगाया जाता है। **इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।**
- SARFAESI अधिनियम 2002 के तहत InvIT को उधारकर्ता के रूप में मान्यता दी गई है। **इसलिए, कथन 1 सही है।**

उत्तर : 7 विकल्प B सही है

व्याख्या:

- भारत की संसद ने 1958 में गिफ्ट टैक्स अधिनियम पेश किया , और गिफ्ट टैक्स अनिवार्य रूप से उपहारों की प्राप्ति पर लगाया जाने वाला टैक्स है। **इसलिए, कथन 1 गलत है।**
- इनकम टैक्स अधिनियम कहता है कि जिन उपहारों का मूल्य 50,000 रुपये से अधिक है, ये प्राप्तकर्ता के हाथ में गिफ्ट टैक्स के अधीन हैं। **अतः, कथन 2 सही है।**
- यदि गिफ्ट किसी रिश्तेदार द्वारा दिया गया हो तो उसे टैक्स से छूट मिलती है। **अतः, कथन 3 सही है।**

उत्तर : 8 विकल्प A सही है.

व्याख्या:

- विश्व ऊर्जा परिषद (WEC) ऊर्जा की सतत आपूर्ति और उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1923 में स्थापित एक वैश्विक निकाय है। **कथन 1 गलत है.**
- WEC भारत विश्व ऊर्जा परिषद के शुरुआती सदस्यों में से एक है; यह 1924 में परिषद में शामिल हुआ। **कथन 2 सही है।**
- WEC इंडिया भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के संरक्षण में और कोयला, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और विदेश मंत्रालय के सहयोग से कार्य करता है। **कथन 3 ग़लत है।**

उत्तर : 9 विकल्प D सही है.

व्याख्या:

- अधिनियम के अनुसार, 25 वर्ष से अधिक आयु का निर्वाचक भारत के किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ सकता है। हालांकि, उम्मीदवार का प्रस्तावक उस संबंधित निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक होना चाहिए जहां नामांकन दाखिल किया जा रहा है। **कथन 1 गलत है.**
- किसी मान्यता प्राप्त दल (राष्ट्रीय या राज्य) के मामले में उम्मीदवार के पास एक प्रस्तावक होना आवश्यक है। **कथन 2 गलत है.**
- गैर-मान्यता प्राप्त दलों और निर्दलियों द्वारा खड़े किए गए उम्मीदवारों के लिए 10 प्रस्तावकों की सदस्यता आवश्यक है। **कथन 3 ग़लत है.**

उत्तर : 10 विकल्प C सही है

व्याख्या

- NAAQ वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत CPCB द्वारा अधिसूचित विभिन्न पहचाने गए प्रदूषकों के संदर्भ में परिवेशी वायु गुणवत्ता के मानक हैं।
- NAAQS के तहत प्रदूषकों की सूची: PM10, PM2.5, SO2, NO2, CO, NH3, ओजोन, सीसा, बेंजीन, **इसलिए, कथन 2 गलत है**

Azadi Ka Amrit Mahotsav

स्वच्छ भारत

Mentorship India

Our mission is crystal clear – to provide the finest UPSC mentorship and guidance available in India. We recognize that the path to success in the UPSC examination is both demanding and multifaceted. This is precisely why we have developed a comprehensive approach that goes beyond conventional coaching. Our commitment lies in fostering excellence by equipping aspirants with the necessary tools, knowledge, and unwavering support to not only excel in the examination but also in life itself.

Mentorship India represents more than just an organization; it is a community of ambitious individuals bound together by the shared objective of conquering the UPSC examination. We warmly invite you to embark on this transformative journey alongside us. Whether you are a novice taking your initial steps or a seasoned aspirant aiming for the pinnacle, Mentorship India is your dependable companion in the relentless pursuit of excellence.

+91 9999 057869
www.mentorshipindia.com

A-92, Third Floor, Hari Nagar
Delhi - 110064

@mentorship.india

Skill India कौशल भारत-कुशल भारत

Digital India Power To Empower

G20 भारत 2023 INDIA

MAKE IN INDIA